रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67 / 2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127 / 204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 46 ● अंक – 02 ● कानपुर 16 से 31 जनवरी 2024 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अब आ गये अच्छे दिन

5 वर्षों से हो रही प्रतीक्षा शीघ्र होगी समाप्त

राजस्थान इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा परिषद द्वारा आयोजित सेमिनार जो राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया के मुख्य अतिथि महामहिम उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनकड़ जी ने कहा कि अब राजस्थान के साथ ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी के भी अच्छे दिन आ गये हैं, उन्होंने इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़े वर्षों से संस्मरण भी सुनाये और उन्होंने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में जुड़े हुये अनेकों राजनेताओं सहित समाजसेवियों का भी अपने उदबोधन में उल्लेख किया उन्होंने आयोजन के प्रमुख तथा राजस्थान इलेक्ट्रो होम्योपैथी परिषद के अध्यक्ष डा0 हेमन्त सेठिया का विशेष रुप से उल्लेख किया उन्होंने मंच पर विराजमान राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा

जयपुर राजस्थान में भारत के उपराष्ट्रपति माननीय जगदीप धनकड़ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के मंच से सम्बोधित करते हुये

की ओर इशारा करते हुये अपेक्षा की कि वर्ष 2018 में पारित इलेक्ट्रो होम्योपैथी मान्यता का विधेयक को अब पूर्णतः मिल जाना चाहिये जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों सहित डा0 हेमन्त सेठिया के प्रयासों को पूर्णतः प्राप्त होगी, माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान ने सिर हिलाते हुये अपनी सहमति व्यक्त की, इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनों का नाम के साथ उल्लेख किया, महामहिम ने माननीय उप मुख्यमंत्री का विशेष उल्लेख किया जो सरकार में स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख भी हैं उनकी कर्मठता का एक संस्मरण भी सुनाया जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि महामहिम को पूर्ण विश्वास है कि माननीय उप मुख्य मंत्री इलेक्ट्रो होम्योपैथी बिल को पूर्णतः प्रदान कराने में उनकी

शेष पेज 2 पर

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के

आडिटोरियम में महात्मा मैटी का जन्म दिवस धूम– धाम से सम्पन्न

हमने समय का हर पल इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिये दिया–डा0 इदरीसी

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों के मध्य व्याप्त भ्रान्तियां अनिश्चितता के चलते समाप्त नहीं हो पा रही हैं फलस्वरूप हमारा चिकित्सक पूरी क्षमता के साथ चिकित्सा व्यवसाय मन लगाकर नहीं कर पा रहा है इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करने एवं अनुसंधान करने के लिए प्रदेश सरकार ने 4 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी कर एक नई दिशा प्रदान की थी, जैसे ही यह शासनादेश जारी हुआ पूरे प्रदेश का इलेक्ट्रो होम्योपैथ हर्ष से झूम उठा हर एक के मन में एक नई उमंग थी सबके सब यही कह रहे थे कि अब उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को शासकीय संरक्षण प्राप्त हो गया है, हमें भी काम करने का वही अवसर मिला है जो अन्य मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों को प्राप्त है।

मात्र चिकित्सक ही नहीं इलेक्ट्रो होम्योपैथी के छात्रों एवं

इस विधा के समर्थकों के बीच भी ख़ुशी की लहर दौड़ गयी थी, जो लोग हमसे जुड़े थे उन्होंने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि चलो ठीक हुआ बहुत दिनों से लगे थे सरकार ने सुन ली, यह सब कुछ तो ठीक था लेकिन जब हमारे चिकित्सक अधिकार के साथ अधिकारिता मांगने लगे तो अधिकारियों का रूख बदल गया, अधिकारियों ने कहा कि शासनादेश तो हुआ है लेकिन इसका अनुपालन हम तभी करेंगे जब हमारे उच्च अधिकारी अर्थात महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 हमें निर्देशित करेंगे व 4 जनवरी, 2012 के आदेश के अनुपालन के लिए हमें आदेशित करेंगे, यह सूचनायें जैसे ही बोर्ड के पास पहुँचीं बोर्ड ने पूरे प्रयास के साथ महानिदेशक से सम्पर्क साधा तथा निवेदन किया कि वह

शेष पेज 4 पर

नाकारात्मक प्रयास

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता देने के लिए सरकार ने लगभग 73 वर्ष पूर्व ही आश्वासन दे दिया था वह सिलसिला लगातार जारी रहा कई बार सकारात्मक परिवर्तन भी आया लेकिन सरकार का आश्वासन लगातार जारी रहा, सन 1956 व 1975 में कुछ परिवर्तन की दिशा बनी सन 1981 एवं 1982 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का रास्ता बिल्कुल अलग हो गया और यहीं से इलेक्ट्रो होम्योपैथी ने ज़ोर पकड़ा जिसके परिणाम में 1984 भारत सरकार को अपने फैसले पर संतोष करना पड़ा।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता देने के मामले में सरकार का अश्वासन उसे सही लगा और सरकार ने लगातार इसे आगे बढ़ाया सन 1988, 1991 एवं 1993 में उसके द्वारा जो आदेश जारी किये गये वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी में मील का पत्थर साबित हुए लेकिन हमारा दुर्भाग्य यह रहा कि हम सरकार की सकारात्मक पहल के मुकाबले बराबर नकारात्मक प्रयास करते रहे, सरकार का ही सहयोग नहीं बल्कि माननीय न्यायालयों का भी भरपूर सहयोग हमें मिलता रहा सन 1998 एवं सन 2000 में भी माननीय न्यायालयों के निर्देशानुसार 2003 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए एक स्पष्ट दिशा निर्देश सरकार द्वारा जारी किया गया हमने वहां भी नकारात्मक सोच उत्पन्न की और स्पष्ट आदेश को भी नहीं समझ सके हमने उसे नकारात्मक सोचते हुए सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी को बन्द मान लिया।

पूरे भारत की शीर्ष संस्थाओं तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के बड़े–बड़े नेता एक ही लाइन में चल पड़े पूरे भारत में केवल बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने सकारात्मक सोच के साथ कहा कि इस आदेश से इलेक्ट्रो होम्योपैथी बन्द नहीं हो रही और न ही सरकार की बन्द करने की मंशा है, यह नकारात्मक सोच जब लोगों की समाप्त हुई, जब सन 2010 में केन्द्र सरकार ने स्पष्ट किया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी बन्द नहीं है, इस आदेश के आने के बाद भी लोग नहीं समझ सके तो इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया ने पहल करते हुए भारत सरकार से लिखा पढ़ी की इसका परिणाम यह हुआ कि भारत सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया को दिनांक 21 जून, 2011 को स्पष्ट करते सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों को निर्देशित किया कि वह भारत सरकार के आदेश 25–11–2003 तथा 5–5–2010 को केन्द्र सरकार का निर्देश मानें, तमाम उतार चढ़ाव व शासकीय व वैधानिक अड़चनों से लड़ते हुये आखिरकार 4 जनवरी, 2012 को प्रदेश सरकार ने बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 को विधि सम्मत ढंग से संचालित किये जाने वाले कार्य पर सहमति की मुहर लगाते हुये बोर्ड के पक्ष में शासनादेश जारी किया।

भारत सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता देने के लिए एक बार फिर एक नोटिस जारी करते हुए सभी सम्बद्ध पक्षों से प्रस्ताव मांगे जिसमें सरकार ने स्पष्ट किया कि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता देना चाहती है, उसी नोटिस में यह भी आभास कराया कि सरकार अपनी ओर से कोर्स का चयन करते हुए नियामक का चयन भी कर सकती है।

देश की अनेक संस्थाओं ने नोटिस के भाव को फिर से नकारात्मक सोचते हुए मनमाने ढंग से "प्रपोज़ल" सरकार को प्रेषित किये यहां तक एक एक संस्था ने कई कई नामों से प्रपोजल प्रेषित किये जो नकारात्मक सोच का प्रतीक है, ज्ञात सूत्रों के अनुसार प्रथम चरण में 21 तथा दूसरे चरण में 6 प्रपोज़ल कुल 27 प्रपोज़ल, अन्तिम चरण में 29 प्रपोज़ल कर्ताओं को वार्ता हेतु आमंत्रित किया, प्रारम्भिक चर्चा के बाद उन्हें पुनः निर्देश दिये गये कि नोटिस में दिये गये बिन्दुओं के अनुसार ही एक संयुक्त प्रपोज़ल प्रस्तुत किया जाये, नकारात्मक सोच का ही परिणाम यह रहा कि प्रपोज़ल तो संयुक्त रूप से सरकार को प्रेषित किया गया लेकिन उनमें उन्हीं लोगों का नाम सम्मिलित किया गया जो उनके प्रिय थे या फिर उनके जैसे मत वाले थे या उनको अपने नाम से कुछ पाने के लिए बड़ी जल्दी है या फिर वह यह दिखाना चाहते हैं कि वह ही अगुवाकार है।

संयुक्त प्रपोज़ल में कुछ ऐसे लोगों का नाम सम्मिलित किया गया जिन्होनें पूर्व में प्रपोज़ल दिये ही नहीं थे, उनके नामों पर सरकार द्वारा प्रश्नचिन्ह खड़ा किया गया ? नकारात्मक सोच के कारण ही कुछ संस्थाओं को छोड़ दिया गया किन्तु सरकार ने अपनी सकारात्मक सोच को दिखाते हुए जिन संस्थाओं को छोड़ा गया उनके बारे में भी पुनः जानकारी चाही गयी है।

संयुक्त प्रपोज़ल कर्ताओं को चाहिये कि वह अपनी नकारात्मक सोच को छोड़ कर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें और अब कोई ऐसी गतिविधि सरकार के सामने न प्रकट करें जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथी को कोई नुकसान हो।

औषधि निर्माण की बहुलता

कहीं ख़तरे की घण्टी तो नहीं

किसी भी चिकित्सा पद्धति के विकास की कल्पना उसकी औषधियों की खपत पर निर्भर करती है क्योंकि औषधियों का प्रयोग जितना अधिक होगा जनता तक उस पद्धति की पहुँच उतनी ही होगी, कारण औषधि और उसके गुण से ही पद्धति की उपयोगिता सिद्ध होती है जितनी चिकित्सा पद्धतियां वर्तमान में प्रचलित हैं उन सभी के पीछे उनकी गुणवत्ता है गुणवत्तायुक्त औषधियां जब रोगी व्यवहार में लाता है और उससे लाभ प्राप्त करता है तब निश्चित रुप से रोगी स्वयं और उससे जुड़े व्यक्ति उस पद्धति से प्रभावित होते हैं और जिसका परिणाम यह होता है कि उस चिकित्सा पद्धति का जनाधार बढ़ता है और जन समान्य के बीच उस चिकित्सा पद्धति की लोकप्रियता बढ़ती है जिसका सीधा लाभ चिकित्सकों के साथ साथ औषधि निर्माताओं को भी मिलता है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति डेढ़ सौ वर्षों से इस देश में प्रचलित है वर्तमान में लाखों की संख्या में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक चिकित्सा कार्य कर रहे हैं और पूरा प्रयास कर रहे हैं कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी जन–जन तक पहुँचे, औषधियों की जो समस्या आज से 10 वर्ष पूर्व थी वह पूरी तरह समाप्त हो चुकी है मात्र एक या दो कम्पनियों पर आश्रय की स्थिति समाप्त हो चुकी है यह अच्छी बात है, चिकित्सकों तक औषधियां पहुँच रही हैं हर दवा निर्माता अपनी औषधियों को सर्वश्रेष्ठ होने का दावा करती हैं हमारी इन दवा निर्माण इकाइयों ने समय और मांग के अनुरूप औषधियों के स्वरूप में परिवर्तन भी किया है पारम्परिक औषधियों के साथ पेटेन्ट औषधियों का निमार्ण भी किया गया है, रोगी औषधियों को असानी से व्यवहार में ला सके इस उद्देश्य से टेबलेट व कैप्सूल फार्म में भी औषधियां लाई गयी हैं जिससे की रोगी आसानी से इन औषधियों को प्रयोग में ले लेता है, पूरे देश में वर्तमान में लगभग दो सैकड़ा से ज़्यादा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधि निर्माण इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं और हर कम्पनी का दावा है कि वह मांग और पूर्ति का संतुलन बनाये हुए हैं, यह सब सुनकर मन प्रसन्न होता है कि जो लोग कहते थे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी संस्थाओं ने डा0 तो बना दिये लेकिन प्रैक्टिशनर नहीं तैयार किये औषधियों की यह खपत उन लोगों के प्रश्न का स्वयं उत्तर है।

जिस ढंग से औषधियां बन रही हैं और उनकी मांग बढ़ रही है वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्रगति की कहानी स्वयं कह रही हैं प्रगति करना बहुत अच्छी बात है लेकिन प्रगति के लिए कोई ऐसा रास्ता नहीं अपनाना चाहिये जो कि आगे चलकर कोई नया संकट खड़ा कर दे, पूरे देश में जिस तेज़ी के साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधियों के निमार्ण की इकाईयां लगायी जा रही हैं वह एक नये संकट का संकेत दे रही हैं, संकट का तात्पर्य यह है कि वर्तमान में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों के निर्माण के लिए केन्द्र या राज्य सरकार द्वारा कोई भी निगरानी इकाई गठित नहीं की गयी है जिसके कारण इलेक्ट्रो होम्योपैथी को किसी तरह का कोई लाइसेंस सरकार की तरफ से जारी नहीं किया जा रहा और न ही कोई औषधि निर्माण के लिए सरकारी मानक या सरकारी गाइड लाइन जारी की गयी है, इसके अभाव में हमारे औषधि निर्माता मनमानी कर रहे हैं न मानकों का भय, न लाइसेंस की चिन्ता,बेधड़क काम जारी है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए जर्मन होम्योपैथिक फार्माकोपिया ही आधार है इसी फार्माकोपिया में इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधियों के निर्माण की विधि संरक्षित है, दूसरे शब्दों में जर्मन फार्माकोपिया ही आधार है, भारत वर्ष में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कोई अधिकारिक फार्माकोपिया नहीं है, पिछले वर्षों में एक फार्माकोपिया बाजार में लायी गयी थी जिसे भी बड़ी चतुराई से प्रस्तावित फार्माकोपिया का नाम दिया गया था, पुरानी कहावत है कि अति का अन्त होता है जिस प्रकार से अत्याधिक काउन्सिलों और बोर्डों ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी का बंटाधार किया था ठीक उसी प्रकार से आज औषधि के क्षेत्र में भी अतिरेकता के दर्शन हो रहे हैं। जो किसी भी तरह से उचित नहीं है डा0 मैटी द्वारा प्रतिपादित औषधि निर्माण विधि का खुल्लम खुल्ला मखौल उड़ाया जा रहा है पौधों के साथ भी छेड़ छाड़ की जा रही है कुछ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के स्वनिर्मित वैज्ञानिक हर पौधे का विकल्प तैयार करने की बात करते हैं और इन्हीं विकल्प पौधों से गुणवत्तायुक्त औषधि निमार्ण का दावा करते हैं विकास के लिए नये प्रयोग हों यह अच्छी बात है लेकिन आधार को ही छोड़ दें तब तो नया निर्माण होता है, पूराना कहाँ रहता है ! यदि सभी 113–115 पौधों का विकल्प तैयार हो जायेगा तो ऐसी औषधियां इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति की नहीं किसी अन्य पद्धति का नाम ले सकती हैं अनुसंधान पुराने को हटाकर नया लाने की बात नहीं करता है बल्कि पुराने के रहते हुए नये में अधिक सम्भावनाओं की तलाश करता है यह तो समय सिद्ध करता है कि जो चीज़ उपयोगी है वही स्थिर रहती है अस्तु समय रहते हम सबको इस विषय पर गम्भीरता से विचार करना होगा कि औषधि निर्माण के क्षेत्र में मची धमाचौकड़ी को कैसे रोका जाये ? लोगों को औषधियां भी मिलती रहें और चिकित्सा पद्धति का नुकसान भी न हो।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अब आ गये अच्छे दिन

प्रथम पेज से आगे

आशाओं के अनुरुप सफल होंगे, सूत्रों के अनुसार उपमुख्य मंत्री श्री प्रेम चन्द बैरवा, राजस्थान इलेक्ट्रो होम्योपैथी विकास संस्था के अध्यक्ष डा0 किशन रक्षावत सहित संस्था के सदस्यों को जो मैटी जयंती पर उनके आवास पर सम्मानित करने गये थे उनको उन्होंने तभी आश्वासन दे दिया कि वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी का बिल जो शासन में अभी तक लाम्बित है को शीघ्रता शीघ्र क्रियान्वित करने के आदेश जारी करेंगे।

विश्व इलेक्ट्रो होम्योपैथी दिवस के अवसर पर आयोजित सेमिनार की पूर्व संध्या पर उपमुख्य मंत्री माननीय श्री प्रेम चन्द बैरवा जी के साथ राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में आयोजित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रदर्शनी का सांसद श्री राम चरण बोहरा ने प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया इस अवसर पर जयपुर सह प्रान्त संघचालक श्री हेमन्त सेठिया, श्री प्रताप भानु शेखावत सहित अन्य गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी, प्रदर्शनी में इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सम्बंधित अनेक प्राचीन एवं नवीन साहित्य का प्रदर्शन किया गया जो उपस्थित दर्शकों के ज्ञान के लिये बहुत लाभकारी रहा।

पूरे देश ने मनाया मैटी का 215 वाँ जन्मोत्सव

रायबरेली– इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के आविष्कारक डा0 काउंट सीजर मैटी का 215वां जन्मदिवस आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथी इनस्टीट्यूट छजलापुर, रायबरेली में धूमधाम से मनाया गया उपस्थित चिकित्सकों ने उनके चित्र पर पुष्प माला चढ़ाकर श्रद्धासुमन अर्पित किये। उक्त अवसर पर इनस्टीट्यूट के प्राचार्य डा0 पी0एन0 कुशवाहा ने कहा कि डा0 मैटी का जन्म 11 जनवरी 1809 को इटली के बोलोगना में जमींदार परिवार में हुआ था उनकी शिक्षा दीक्षा उच्च कोटि की होने के कारण दलितों एवं गरीबों से अगाध प्रेम था उन्होने सन् 1895 में दक्षिण भारत के मंगलूर में ही फादर मूल स्थापित कुष्ठ अस्पताल निर्माण में कुल लागत का 7705 रूपये में से 2995 रूपये दान के रूप में दिया था जिसका पत्थर आज भी लगा है। उक्त अवसर पर डा0 रमेश कुमार द्विवेदी ने कहा कि डा0 मैटी ने अपने जख्मी पालतू कुत्ते से जिसने जंगली पत्तियों को चबाकर व उस पर लोट पोट करके अपने जख्मों को ठीक किया जिसे देखकर डा0 मैटी ने पेड़ पौधो की जड़ो व पत्तियों के अर्क से इलेक्ट्रो होम्योपैथी को जन्म दिया जो आज उक्त पैथी का विश्व में प्रचार प्रसार हो गया है इन्होनें चिकित्सा जगत में ऐलोपैथिक, आयुर्वेदिक, होम्योपथिक व यूनानी पद्धति के बाद पांचवी पैथी इलेक्ट्रो होम्योपैथी को जन्म दिया जिसका मानव जीवन पर कोई साइड इफेक्ट नही पड़ता है, उक्त अवसर पर डा0 त्रिलोक सिंह, डा0 राम विशाल मौर्य, डा0 सोमनाथ, सत्य पाल वर्मा, डा0 राम आसरे, डा0 अश्वनी बाबू आदि चिकित्सकों ने अपने विचार व्यक्त किये उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता रामदीन विश्वकर्मा ने की।

हमीरपुर– इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीजर मैटी का 215 वां जन्मदिवस जिला प्रभारी ई0एच0 डा0 गनेश सिंह की अध्यक्षता में दीप प्रज्जवलित कर एवं केक काटकर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक धर्मार्थ चिकित्सालय पटकाना हमीरपुर में धूमधाम से मनाया गया, कार्यक्रम में बुन्देलखण्ड प्रभारी ई0एच0 डा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा व इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों द्वारा जनमानस को लगातार 33 वर्षों से पटकाना में स्थित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक धर्मार्थ चिकित्सालय द्वारा निशुल्क दी जा रही है जहां पर दूर दराज़ से असाध्य रोगी आकर अपना इलाज करवा रहे है और उनको शत प्रतिशत सफलता मिल रही है, स्वाती खरे ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक धर्मार्थ चिकित्सालय में सबसे ज्यादा पी0 सी0 ओ0 डी0 व बच्चेदानी में गांठ एवं रक्त अल्पता से पीड़ित महिलाएं व बीस से पचीस वर्ष की युवतियां इलाज हेतु प्रतिदिन आया करती हैं, प्रदेश में शासन द्वारा अधिकृत संस्था बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 लखनऊ ही है जिसके द्वारा पंजीकृत चिकित्सक इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों द्वारा चिकित्सा करने के लिए अधिकृत है, कार्यक्रम में डा0 विपाशा, डा0 रजनीश खरे, डा0 चन्द्रभूषण, डा0 नम्रता, अंश निगम, गोविन्द सिंह, विनोद शुक्ला, महेंद्र राजपूत, प्रवीण नामदेव आदि लोगों ने भाग लिया।

हाथरस– इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जन्मदाता डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का 215 वां जन्मदिवस दिनांक 11 जनवरी, 2024 को जिला इलेक्ट्रो होम्योपैथिक कार्यालय विवेक क्लीनिक आगरा रोड सादाबाद हाथरस में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, समारोह के मुख्य अतिथि बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रवक्ता डा0 एस0 के0 पाल मौजूद थे, प्रभारी अधिकारी ई0 एच0 डा0 नेम सिंह ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि समस्त ई0 एच0 डा0 अपना जिला पंजीयन अवश्य करायें अथवा शासन प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही के आप स्वयं जिम्मेदार होगें, समारोह में डा0 हरिओम शर्मा, डा0 रमेश चन्द्र उपाध्याय, डा0 बहादुर अली, डा0 अहमद अली, डा0 जीना अर्शद आदि उपस्थित थे।

फतेहपुर– गुरूवार को बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, के जनपदीय कार्यालय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का 215 वां जन्मोत्सव धूम–धाम से मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व सूबेदार मेजर उ0प्र0 पुलिस हाजी अनीस उल्ला एवं प्रभारी अधिकारी ई0 एच0 डा0 वकील अहमद ने डा0 काउण्ट सीजर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया, अतिथियों को डा0 वकील अहमद ने बताया कि डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का जन्म इटली देश के बोलोग्ना शहर में 11 जनवरी, 1809 को हुआ था, वह जमींदार परिवार के अमीर व्यक्ति थे लेकिन उनकी जमींदारी में तमाम गरीब लोग भी थे जो अपना इलाज भी समय से नही कर सकते थे, यह सब देखकर डा0 मैटी ने चिकित्सा को सहायता का उद्देश्य बनाया, इस तरह से 1865 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा विज्ञान का अविष्कार हुआ प्रभारी अधिकारी ने सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों से कहा कि वह बिना ज़िला पंजीयन के चिकित्सा सेवा कार्य न करें क्योंकि यह शासन व बोर्ड की मंशा के अनुरूप नहीं है, इस अवसर पर श्री कृष्ण आदर्श विद्या मंदिर दिव्यांग आवसीय विद्यालय के प्रबंधक श्री सीताराम यादव, डा0 हरिप्रसाद, डा0 कमल सिंह, डा0 चेतन यादव, गंगा प्रसाद, मोहम्मद जाहिद, राजकरण, अनुज कुमार, भारत कुमार आदि एवं क्षेत्र के सम्भ्रांत नागरिकों ने भी उपस्थिति दर्ज करायी।

राजस्थान इलेक्ट्रो होम्योपैथी विकास संस्था द्वारा मैटी का 215 वां जन्म दिवस जयपुर में मनाया

राजस्थान– राजस्थान इलेक्ट्रो होम्योपैथी विकास संस्था जयपुर के तत्वाधान में इलेक्ट्र होम्योपैथी के जन्मदाता डा0 काउंट सीजर मैटी का 215 जन्मदिवस गैलेक्सी होटल इन सीकर रोड नम्बर–9 पर मनाया गया 8/1/2024 वरिष्ठ चिकित्सा डी0 आर0 शब्बीर खान ने बताया कि आज के मुख्य अतिथि हवा महल विधानसभा के विधायक माननीय बालमुकुंद आचार्य एवं विशिष्ट अतिथि उ0प्र0 के महान चिकित्सा के डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव एवं वार्ड नंबर 7 की पार्षद संतोष जी थी। इस कार्यक्रम में पूरे राजस्थान से सैकडो कार्यकर्ताओं ने भाग लिया एवं सभी आगंतु चिकित्सकों का सम्मान किया गया मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया आज आकर्षण का केंद्र डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव रहे आपने विस्तार से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के बारे में बताया लोगों को इलाज करने की ओर प्रेरित किया तथा राजस्थान सरकार के चिकित्सा मंत्री माननीय डा0 प्रेमचन्द्र जी बेरवा से अनुरोध किया कि पूर्व में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार जिसके चिकित्सा मंत्री कालीचरण शराब साहब ने बिल को पास करके कानूनी जामा पहनाने का काम किया कि वह बोर्ड गठित करके इस पैथी को और पैथियों की तरह चिकित्सा करने का मौका दें जिसमें राजस्थान इलेक्ट्रोपैथी विकास संस्था के संरक्षक डा0 किशन रक्षावत संस्था के अध्यक्ष डा0 पवन कुमार अग्रवाल उपाध्यक्ष जनार्दन सिंह महासचिव आजाद सिंह सचिन जितेंद्र उपाध्याय कोषाध्यक्ष हरफूल चौधरी, घनश्याम शर्मा जी, मल्लिका तस्लीम आदि प्रमुख चिकित्सक थे इस कार्यक्रम में चिकित्सकों का सम्मान किया गया जिसमें मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, डा0 अनिल श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित चिकित्सकों को पाइल्स, कैंसर, अस्थमा, ओवरी सिस्ट से सम्बन्धित औषधियों के कार्यों पर 2 घण्टे चर्चा की और दवा डोज बताया, चिकित्सकों के सवालों पर भी विस्तृत जवाब दिया।

चाँद पार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट आज़मगढ़ में 215 वें जन्मोत्सव की एक झलक

अधिकारिता दिवस के समाचार

रायबरेली– इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति है, आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्स्टीटयूट के प्राचार्य डा0 पी0 एन0 कुशवाहा ने 12वाँ अधिकारिता दिवस के शुभ अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उ0प्र0 शासन द्वारा 4 जनवरी 2012 को चिकित्सा शिक्षा अनुभाग द्वारा उक्त आदेश जारी किया जा चुका है, अधिकारिता दिवस में डा0 आर0 के0 द्विवेदी जिला प्रभारी अधिकारी ने कहा जो चिकित्सक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक विधा से कार्य कर रहे वे अपना जिला पंजीयन करा कर ही प्रैक्टिस करें, इस अवसर पर डा0 त्रिलोक सिंह ने कहा कि सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के चिकित्सक अपने–अपने दवाखाने में साइन बोर्ड लगाकर अपनी योग्यता, पंजीकरण, जिला स्तरीय पंजीकरण अवश्य अंकित करायें, इस अधिकारिता कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सक डा0 रामआसरे, डा0 अश्वनी बाबू, डा0 लालता, डा0 राजेन्द्र सिंह, डा0 राकेन्द्र कुमार, श्रीकृष्ण, डा0 राम विशाल मौर्या, डा0 रिंकू आदि ने भाग लिया।

कानपुर देहात– इलेक्ट्रो होम्योपैथिक जिला कार्यालय, कानपुर देहात में प्रभारी अधिकारी ई0 एच0 डा0 रश्मी ने डा0 काउंट सीजर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर अधिकारिता दिवस कार्यक्रम की शुरूआत किया, अधिकारिता दिवस के अवसर पर आए हुए सभी लोगों को अवगत कराया गया कि उ0प्र0 शासन में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 लखनऊ को एक शासनादेश में बोर्ड को चिकित्सक, शिक्षा, अनुसंधान एवं कार्य करने की अनुमति दी गयी है, प्रभारी अधिकारी ने बताया कि बोर्ड से सम्बन्धित चिकित्सक बिना जिला पंजीयन के चिकित्सा सेवा कार्य न करें, क्योंकि यह बोर्ड एवं शासन की मंशा के अनुरूप नही है तथा यह कानून की अवमानना है जिसके लिए उचित कार्यवाही की जा सकती है।

फतेहपुर–बोर्ड आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 लखनऊ के जनपद कार्यालय फतेहपुर में अधिकारिता दिवस मनाया गया, जिला प्रभारी अधिकारी ई0एच0 डा0 वकील अहमद व पूर्व सूबेदार मेजर उ0प्र0 पुलिस हाजी अनीस उल्लाह सिद्दीकी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के जनक डा0 काउंट सीजर मैटी के चित्र पर माल्यार्पन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को प्रभारी अधिकारी ने बताया कि उ0प्र0 शासन ने बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 लखनऊ को इसी एतिहासिक तिथि 04–01–2024 को एक एक शासनादेश जारी किया था, इस शासनादेश में बोर्ड को चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं कार्य करने की अनुमति प्रदान की गई जिसे हम सभी अधिकारिता दिवस के रूप में मनाते हैं, डा0 अहमद ने बताया कि बोर्ड एवं शासन के आदेशानुसार कोई भी चिकित्सक बिना जिला पंजीयन के चिकित्सा सेवा न करे, बिना पंजीयन के चिकित्सा करते हुए पाये जाने पर उचित कार्यवाही की जाएगी, कोई भी जानकारी के लिए जनपद कार्यालय में सम्पर्क करें।

[illegible] के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा [illegible] प्रेस 128 डी/22 [illegible] कानपुर–208014 से मुद्रित एवं [illegible] कम्प्यूटराइज्ड [illegible] 8/1 [illegible] कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट शाहजहांपुर में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 लखनऊ के प्रबन्ध कमेटी के सदस्य डा0 आमिर बिन साबिर द्वारा मैटी के 215 वें जन्मोत्सव पर केक काटा गया एवं रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ।

हमने समय का हर पल इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिये —प्रथम पेज से आगे

अपने स्तर से अपने अधीनस्थ को निर्देशित करें कि 4 जनवरी, 2012 के आदेश का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, बोर्ड के इस निवेदन पर महानिदेशक ने ध्यान दिया और 02 सितम्बर, 2013 को एक पत्र समस्त अपर निदेशकों को सम्बोधित करते हुए लिखा कि वे प्रदेश सरकार द्वारा बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के लिए जारी किये गये 4 जनवरी, 2012 के शासनादेश का परिपालन करायें, इसकी प्रति समस्त मुख्य चिकित्साधिकारियों को भी पृष्ठांकित की गई इस आदेश को सभी मण्डलीय अपर निदेशकों को बोर्ड ने भी अपने स्तर से उपलब्ध कराया, इस आदेश की उपलब्धता के उपरान्त भी अधिकांश मुख्य चिकित्सा अधिकारियों ने इस विषय पर गम्भीरता से कार्यवाही नहीं की, फलस्वरूप स्थिति में कोई खास परिवर्तन नहीं हो पाया, प्रदेश में चिकित्सा व्यवसाय करने के लिए माननीय हाईकोर्ट के आदेशानुसार सभी चिकित्सकों को जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी के यहां अपने पंजीयन का आवेदन देना था।

चूंकि 4 जनवरी, 2012 का आदेश आ जाने के बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति भी अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति की श्रेणी में आ चूकी है, इसलिये इस विधा के चिकित्सकों ने भी अपने पंजीयन का आवेदन मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में प्रेषित किये परन्तु कुछ चिकित्सा अधिकारियों को छोड़कर अन्य चिकित्सा अधिकारियों ने आवेदन लेने में आनाकानी दिखायी परिणाम स्वरूप अधिकार होने के उपरान्त भी अधिकारियों द्वारा लगातार उपेक्षा का क्रम जारी रहा कुछ अधिकारियों ने तो पराकाष्ठा ही पार कर दी, अलीगढ़, हापुड़ और बुलन्दशहर के चिकित्सा अधिकारियों ने तो बोर्ड की स्वीकारिता को ही नकार दिया और एक ऐसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया जो आदेश पारित ही नहीं हुआ इन सब घटनाओं को देखते हुए बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया ने संयुक्त रूप से हापुड़ के मुख्य चिकित्साधिकारी को पत्र लिखकर इस तरह की बातों के बारे में जानकारी चाही तब मुख्य चिकित्साधिकारी ने बड़ी ही चतुराई से यह कह कर अपना पीछा छुड़ाया कि प्रदेश सरकार द्वारा 4 जनवरी, 2012 के आदेश का उन्हें संज्ञान नहीं है तथा उसकी प्रति बोर्ड से उपलब्ध कराने को कहा तथा साथ ही यह अश्वासन भी दिया कि उनके द्वारा बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चिकित्सकों का पंजीयन के सन्दर्भ में वह उचित कार्यवाही करेंगे।

यद्यपि आज पंजीयन की स्थिति बदल चुकी है अब हर विधा के चिकित्सकों का पंजीयन उनका अपना विभाग कर रहा है और मुख्य चिकित्साधिकारी केवल एलोपैथी चिकित्सकों के पंजीयन के आवेदन स्वीकार कर रहे हैं, शासनादेश के अनुपालन में अब इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों का पंजीयन बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा नियुक्त जिला प्रभारी/क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा सुचारु रुप से किया जा रहा है, परिस्थितियां और समय बदल रहा है एक तरफ तो हम मान्यता की तरफ बढ़ रहे हैं वहीं दूसरी तरफ हम अपने कार्य के प्रति गम्भीर भी नहीं दिख रहे हैं, कभी–कभी तो ऐसा लगने लगता है कि आखिर हमारे साथियों को हो क्या गया है वे पहले ऐसे तो नहीं थे, इनकी सोच आखिर इतनी दुर्बल क्यों हो गयी है! इन्हीं सब बातों को देखते हुए बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी के गृह जनपद गोरखपुर में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अनेक कैम्प भी अपने अनुभवी चिकित्सकों की देख रेख में आयोजित कराये, यह प्रदेश सरकार के भी संज्ञान में है।

जब सरकार लगभग हर विषय पर सकारात्मक निर्णय ले रही है तब जन हित में प्रदेश के हजारों इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों के हितों को ध्यान में रखते हुए कोई ऐसा निर्णय ले जो इन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों को भी शासकीय सेवा का अवसर मिल जाये जो कि दूरगामी होने के साथ–साथ हजारों चिकित्सकों के लिये हितकारी भी हो।

भारत के उपराष्ट्रपति महामहिम श्री जगदीप धनकड़ जी मैटी के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर सेमिनार का शुभारम्भ करते हुये साथ में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा जी

भारत के उपराष्ट्रपति महामहिम श्री जगदीप धनकड़ जी जयपुर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक सेमिनार में उपस्थित जन समूह को सम्बोधित करते हुये